

## हे जगतारन देवी दुर्गा मईया

॥ हे जगतारन देवी दुर्गा मईया ॥  
कइसे करबो दाई तोर बिदाई, लागत हावे भारी करलाई ॥  
जोत जावरा लागे उसलईया... हे जगतारन देवी...

जब जब तोला देखेव मईया, तोरे मुहरन फूले वो मां  
नजरे नजर मा झूले तैहर, आंतस कइसे भूले वो मां  
जैसे बेटी पहुना तिजा आथे, जोरे माया ला वोहर चले जाथे  
अइसन दया माया के हस जगईया.... हे जगतारन देवी

नव दिन पूजा बरत करेहव, दशमी के तोला पठोहू वो मां  
चलगे पुरखा के अलग चलागन, सगुरी मां तोला सरोहू वो मां  
कईसन कईसन रचना ला बनाए, नंग जोंग गढ़के रसदा ला बताए।  
जान तीही हर दाई जनम देवईया... हे जगतारन देवी

माता बिदाई के आथे बेरा मन ह मोर सुररथे वो मां  
काबर आथे ये दिन बादर कहिके जीवरा चुरथे वो मां  
छाती फाटे नयना आसू ढारे, तोर बिनाअब करिही माया दुलारे  
काहा पाबे गौतम अचरा के छईहा.... हे जगतारन देवी

॥कइसे करबो दाई तोर बिदाई, लागत हावे भारी करलाई॥  
जोत जावरा लागे उसलईया... हे जगतारन देवी

\_\_\_\_\_माता विसर्जन बिदाई गीत\_\_\_\_\_

गीतकार : गौतम गुरुजी

गायक : दिवेश साहू

रिदम : राहुल निर्मलकर एंड बाबू भाई

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33274/title/He-Jagtaran-Devi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |